> निबंध

(i) सीढ़ियों पर धूप में
(ii) दिल्ली मेरा प्रदेश
(iii) लिखने का कारण
(iv) ऊबे हुए सुखी
(v) वे और नहीं होंगे
(vi) जो मारे जाएँगे
(v) यथार्थ यथाशक्ति नहीं

Note _

(i) इसके अतिरिक्त अनुवाद कार्य भी कियें।
(ii) संपूर्ण रचनावली छः खंडों में 'राजकमल प्रकाशन' नई दिल्ली से प्रकाशित हुआ।

महत्वपूर्ण जानकारी

(1) रघुवीर सहाय 20 वीं शतब्दी के उत्तरार्ध के एक प्रमुख कवि तथा पत्रकार हैं।
(2) रघुवीर सहाय छठे दशक के प्रारंभ में ही अक्षेय द्वारा संपादित प्रयोगवादी संकलन 'दूसरा सप्तक' में एक कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए।
(3) रघुवीर सहाय दूसरा सप्तक के सात कवियों में शमिल थे।
(4) यहाँ प्रस्तुत कविता उनके कविता संग्रह 'आत्म हत्या के विरद्ध' से ली गई है।
(5) अधिनायक एक व्यंग्य कविता है।

राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत-भाग्य-विधाता है फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हरचरना गाता है।
अर्थ- कवि पूछ रहे हैं कि हमारे राष्ट्रगीत में जिस "भारत-भाग्य-विधाता" की बात की जाती है, वह असल में कौन है? क्या वह गरीब आदमी है जो फटा हुआ कपड़ा पहनता है, और जिसके अच्छे गुणों की हर कोई तारीफ करता है?

मखमल टमटम बल्लम तुरही पगड़ी छत्र चैवर के साथ तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर जय-जय कौन कराता है।
अर्थ- कवि पूछता है कि मखमल के वस्त्र, सजे हुए रथ, हथियार तुरही, पगड़ी, छत्र और ढोल-ताशों के साथ तोपें चलवाकर "जय-जय" कौन करवाता है?

पूरब-पश्चिम से आते हैं नंगे-बूचे नरकंकाल सिंहासन पर बैठा, उनके तमगे कौन लगाता है।

अर्थ- पूरब और पश्चिम दिशा से गरीब, भूखे-प्यासे और कमजोर लोग आते हैं जो हड्डियों जैसे दिखते हैं। कवि पूछता है कि ये जो ताकतवर लोग सिंहासन पर बैठे हैं क्या ये ही उन गरीबों को सम्मान देने का काम करते हैं?

कौन-कौन है वह जन-गण-मन अधिनायक वह महाबली डरा हुआ मन बेमन जिसका बाजा रोज बजाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. अधिनायक कौन है? यहां अधिनायक का क्या अर्थ है?[2014, 2021]
उत्तर- अधिनायक का अर्थ है नेता या शासक। आज के समय में अधिनायक बेईमान और दबंग नेता हैं, जो देश पर राज कर रहे हैं और जनता की गरीबी बढ़ा रहे हैं।

2. हरचरना कौन है? उसकी क्या पहचान है? [2020, 2021]
उत्तर- हरचरना एक आम आदमी का प्रतिक है। वह गरीब है, फटे कपड़े पहनता है और नेताओं की तारीफ करता है, भले ही उसकी हालत बहुत बुरी हो।

3. राष्ट्रीय पर्व पर किसका गुणगान किया जाता है? [2019]
उत्तर- राष्ट्रीय पर्व पर नेताओं और देश के भाग्य विधाताओं की तारीफ की जाती है, लेकिन कविता में बताया गया है कि ये नेता असली नायक नहीं हैं वे तानाशाह बनकर बैठे हैं।

4. हरिचरण को हरिचरना क्यों कहा गया है? [2014, 2018]
उत्तर- हरिचरण को हरिचरना इसलिए कहा गया है ताकि कविता में मिठास और सरलता आए। हरिचरना आम जनता का प्रतीक है।

5. उत्सव कौन और क्यों मना रहे हैं? 'अधिनायक' शीर्षक कविता के आधार पर बताइये। [2021]

उत्तर- हरचरना (आम आदमी) उत्सव मना रहा है। यह राष्ट्रीय पर्व है, लेकिन उसे असली मतलब नहीं पता है। में राष्ट्रगान पता। वह डर और दबाव में आकर ,मजबूरी में यह उत्सव मना रहा है और राष्ट्रगान गा रहा है।

6. 'डरा हुआ मन बेमन जिसका बाजा रोज बजाता है।' यहाँ बेमन का क्या अर्थ है? [2021]
उत्तर - 'बेमन' का मतलब है मन से नहीं, यानी मजबूरी में या बिना इच्छा के। लोग डरकर नेता की तारीफ करते हैं, पर उनका मन उसमें नहीं होता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 'अधिनायक' शीर्षक कविता के भावार्थ को स्पष्ट करें।

उत्तर- 'अधिनायक' कविता रघुवीर सहाय ने लिखी है। इसमें आज के नेताओं और सत्ता में बैठे लोगों पर तिखा व्यंग्य किया गया है। कविता में बताया गया है कि आज भी आम आदमी की हालत नहीं बदली। 'हरचरना' नाम का गरीब बच्चा फटे पुराने कपड़े पहनकर स्कूल में झंडा फहराने जाता है और मजबूरी में राष्ट्रगान गाता है। कवि पूछता है आखिर यह 'अधिनायक' कौन है, जिसकी हर बार तारीफ की जाती है? कहीं यह तानाशाह बनने की चाह रखने वाले नेता तो नहीं? यह कविता सत्ता के दिखावे और आम जनता की मजबूरी को उजागर करती है।

2. 'अधिनायक' शीर्षक कविता का केंद्रीय विषय क्या है? [2018]

उत्तर- इस कविता का केंद्रीय विषय है आज के नेताओं की तानाशाही और आम जनता की मजबूरी। नेता खुद को महान दिखाते हैं, जबकि आम जनता गरीब और दुखी बनी रहती है। कवि ने इस स्थिति पर तिखा व्यंग्य किया है।

3. भारत के राष्ट्रगीत 'जन-गण-मन अधिनायक जय है' से इस कविता का क्या संबंध है? [2020]

उत्तर- 'जन-गण-मन' राष्ट्रगान है, जिसमें देश की महानता का गुणगान है। लेकिन 'अधिनायक' कविता में "अधिनायक" शब्द का प्रयोग नेताओं की दबंगई पर व्यंग्य करने के लिए किया गया है। यह कविता बताती है कि आज के नेता तानाशाह जैसे बन गए हैं और जनता सिर्फ मजबूरी में उनका गुणगान करती है।

सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्नः-

1. पूरब-पश्चिम से आते हैं, नंगे बूचे नरकंकाल सिंहासन पर बैठा उनके तमगे कौन लगाता है। [2020,2022]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रघुवीर सहायरचित 'अधिनायक' कविता से ली गई है। इसमें कवि दिखाता है कि देश के हर कोने से गरीब, भूखे-प्यासे लोग आते हैं, जो कमजोर और असहाय हैं। फिर भी वे नेताओं का सम्मान करते हैं, जबकि असल में वे खुद मदद के लायक हैं। कवि बताता है कि आज भी आम जनता आर्थिक आजादी से वंचित है।

2. 'राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत भाग्य विधाता है फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हरचरना गाता है। [2018]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रघुवीर सहाय रचित 'अधिनायक' कविता से ली गई है। कवि पूछता है कि राष्ट्रगीत में जिसकी जय-जयकार होती है, वह असल में में कौन है? क्या वह गरीब आम आदमी है जो फटे कपड़े पहनता है, फिर भी राष्ट्रगीत गाता है? यह व्यंग्य है उन नेताओं पर जो सिर्फ दिखावा करते हैं, लेकिन गरीबों की मदद नहीं करते।

3. 'फटा सुथन्त्रा पहने जिसका, गुन हरचरना गाता है। [2017]

ATM Classes Since-2017

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रघुवीर सहाय रचित अधिनायक कविता से ली गई है। कवि कहते है कि 'हरचरना' नाम का गरीब बच्चा राष्ट्रगीत गा रहा है, जबकि उसके कपड़े फटे हुए हैं। आम जनता, खासकर गरीब, जो आज भी नेताओ से दबे हुए हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि वे किसकी तारीफ कर रहे हैं।

4. मखमल टमटम बल्लम तुरही पगड़ी छत्र चँवर के साथ तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर जय-जय कौन कराता है। [2011]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रघुवीर सहाय रचित अधिनायक कविता से ली गई है। इस पंक्ति में कवि नेताओं के दिखावे पर व्यंग्य करता है। वे मखमल के कपड़े पहनते हैं, रथों पर चलते हैं, बाजे बजते हैं, और उनका खूब सम्मान होता है। लेकिन ये असली भारत भाग्य विधाता नहीं हैं ये तो सत्ता और शोहरत के भूखे हैं। इनकी वजह से आम जनता की हालत बदतर होती जा रही है।

वस्तुनिष्ट प्रश्नः

1. 'अधिनायक' शीर्षक कविता के कवि हैं-
-रघुवीर सहाय
2. किस कवि ने इन शब्दों का प्रयोग किया है? विधाता, सुथत्रा, बल्लम तुरही, छात्र-चैवर और तमगे।
-रघुवीर सहाय
3. 'अधिनायक' कैसी कविता है ? (BSEB, 2023)
-व्यंग्य कविता
4. 'अधिनायक' किस कवि की रचना है ? (BSEB, 2018)
-रघुवीर सहाय
5. रघुवीर सहाय किस कृति के रचनाकार हैं ?
-कुछ पत्ते कुछ चिट्ठियां
6. रघुवीर सहाय किस शती के रचनाकार हैं ?
-बीसवीं शती,
7.' हँसो-हँसो जल्दी हँसो' के कवि हैं-
- रघुवीर सहाय
8. कौन-सी कृति रघुवीर सहाय की है ?
- सीढ़ियों पर धूप में
9. रघुवीर सहाय का जन्म कब हुआ था ?
-9 दिसम्बर, 1929
10. रघुवीर सहाय के पिताजी का क्या नाम था ?
(BSEB 2021) - हरदेव सहाय
11 कौमुदी नामक कविता केंद्र की स्थापना किसने की?
(BSEB , 2024) - रघुवंश सहाय
12. रघुवीर सहाय किस समाचार साप्ताहिक के प्रधान सम्पादक-दिनमान
13. 'दिल्ली मेरा परदेस' क्या है ?-निबन्ध
14. 'आत्महत्या के विरुद्ध' क्या है ?
(अ) निबन्ध (ब) कहानी
(स) कविता (द) आलोचना
15. रघुवीर सहाय के जन्म स्थान कहां है?
(BSEB,2023)-लखनऊ उत्तर प्रदेश
16. रघुवीर सहाय ने किस विषय से एम. ए. किया था ?
(BSEB, 2019) -अंग्रेजी
17. समकालीन कविता की वाचनाएँ किस कविता केन्द्र की स्थापना, रघुवीर सहाय ने की थी ?-कामुदी
18. रघुवीर सहाय को उनकी किस कृति पर' साहित्य अकादमी पुरस्कार' मिला था? (BSEB, 2023)
-लोग भूल गए हैं
19. 'लोग भूल गए हैं' किसकी रचना है ? (BSEB, 2020)-रघुवीर सहाय
20. 'अधिनायक' शीर्षक कविता किस पुस्तक से ली गयी है ? (BSEB, 2020)- लोग भूल गए हैं
21. 'लिखने का कारण' शीर्षक निबन्ध किस लेखक की रचना है ? (BSEB, 2022)-रघुवीर सहाय
22. 'अधिनायक' शीर्षक कविता किस कविता संग्रह से ली गई है ? (BSEB, 2022)
-'आत्महत्या के विरुद्ध'
23. रघुवीर सहाय के पिता क्या थे? (BSEB, 2023)।
- शिक्षक
24. 'डरा हुआ मन बेमन बाजा रोज बजाता है जिसका, है।' यह पंक्ति किस शीर्षक कविता की है ? (BSEB, 2023)। - अधिनायक।

Chapter_11
प्यारे नन्हें बेटे को

कवि का परिचय_
कवि - विनोद कुमार शुक्ल
जन्म - 1 जनवरी 1937
जन्म स्थान - राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़
निवास - रायपुर, छत्तीसगढ़
वृति-
(i) इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय में एसोशिएट प्रोफेसर के पद पर कार्य किये है ।
(ii) निराला सृजनपीठ में जून 1994 से जून 1996 तक 'अतिथि साहित्यकार' के रूप में कार्य किये |
सम्मान (पुरस्कार) -
(i) रघुवीर सहाय स्मृति पुरस्कार 1992 ई. में मिला।
(ii) दयावती मोदी कवि शेखर सम्मान 1997 ई. में मिला।
(iii) साहित्य अकादमी पुरस्कार 1999 ई. में मिला।
कृतियाँ - कविता संग्रह
(i) पहला कविता संग्रह 'लगभग जयहिंद' पहचान सीरीज के अंतर्गत 1971 में प्रकाशित हुआ।
(ii) वह आदमी नया गरम कोट पहनकर चला गया विचार की तरह (1981)
(iii) सबकुछ होना बचा रहेगा (1992)
(iv) अतिरिक्त नहीं (2001)
उपन्यास_
(i) नौकर की कमीज
(ii) खिलेगा तो देखेंगे
(iii) दीवार में खिड़की रहती थी
कहानी संग्रह_
(i)पेड़ पर कमरा
(ii) महाविद्यालय
विशेष_
(i) विनोद कुमार शुक्ल ने उपन्यासों का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किये।
(ii) इनकी कविताओं का इतालवी भाषा में अनुवाद हो चुका है।
(ii) इनकी एक कहानी संग्रह 'पेड़ पर कमरा' का भी इतालवी भाषा में अनुवाद हो चुका है।
(iv) इनकी एक उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर मणि कौल द्वारा फिल्म बनाया गया है ।

महत्वपूर्ण जानकारी

(1) 20वीं शताब्दी के 7वें 8वें दशक में विनोद कुमार शुक्ल एक कवि के रूप में सामने आए थे।

(2) विनोद कुमार शुक्ल एक कविताकार, कथाकार और एक उपन्यासकार हैं।

(3) यहाँ उनके कविता संकलन 'भावली नया गरम कोट पहनकर चला गया तरह' से एक कविता 'प्यारे नन्हें बेटे को 'प्रस्तुत है ।

(4) इस कविता का नायक भिलाई छत्तीसगढ़ का रहनेवाला

(5) इस कविता में लोहा कर्म का प्रतीक हैं ।

(1)प्यारे नन्हें बेटे को कंधे पर बैठा
'मैं दादा से बड़ा हो गया'
सुनना यह ।

अर्थ- कवि इस पंक्ति से दादा और उसके छोटे पोते के प्यार को दिखाते हैं। जब दादा अपने नन्हें पोते को कंधे पर बैठाते हैं, तो पोता खुश होकर कहता है "मैं दादा से बड़ा हो गया।" यह मासूमियत और रिश्ते की मिठास को दर्शाता है।

(2)प्यारी बिटिया से पूछूंगा-'बतलाओ आसपास कहाँ-कहाँ लोहा है' 'चिमटा, करकुल, सिगड़ी समसी, दरवाजे की साँकल, कब्जे खीला दरवाजे में धँसा हुआ' वह बोलेगी झटपट ।

ATM Classes Since-2017

अर्थ- इस पंक्ति में पिता अपनी प्यारी बेटी से पूछते हैं कि आसपास कहाँ-कहाँ लोहा है। बेटी तुरंत जवाब देती है चिमटा, करकुल, सिगड़ी, समसी, दरवाज़े की साँकल, कब्जे और कीला दरवाज़े में धंसा है। इस पंक्ति में दिखाया गया हैं कि बच्चे चीज़ों को ध्यान से देखते हैं और जल्दी से समझ जाते हैं।

(3)रुककर वह फिर याद करेगी 'एक तार लोहे का लंबा लकड़ी के दो खंबों पर तना बँधा हुआ बाहर सूख रही जिस पर भय्या की गीली चड्डी !
फिर-एक सैफ्टी पिन, साइकिल पूरी ।

अर्थ- इस पंक्ति में एक लड़की की बचपन की यादों को दिखाई गई हैं। वह रुककर सोचती है कि कैसे घर के बाहर लकड़ी के दो खंभों पर एक लोहे की तार बंधी होती है, जिस पर उसके भैया की गीली चड्डी सूख रही होती है। तब उसे एक सैफ्टी पिन और भैया की साइकिल भी याद आती है। ये सब चीजें उसके बचपन की प्यारी यादों का हिस्सा हैं।

(4)आसपास वह ध्यान करेगी सोचेगी दुबली पतली पर हरकत में तेजी कि कितनी जल्दी जान जाए वह आसपास कहाँ-कहाँ लोहा है।

अर्थ- इस पंक्ति में एक तेज और समझदार लड़की के बारे में बताया गया हैं। कि वह अपने आसपास ध्यान से देखकर बहुत जल्दी समझ जाती है कि आसपास कहाँ-कहाँ लोहा है।

(5)मै जैसे को खुरपी पास खड़ी बैलगाड़ी के चक्के का पट्टा, बैलों के गले में काँसे की घंटी के अंदर लोहे की गोली ।"

अर्थ- इस पक्ति में एक पिता अपनी बेटी को खेती के औजारों और आसपास की चीजों को पहचानना सिखाते हैं। जैसे फावड़ा, कुदाली, टँगिया, बसुला, खुरपी आदि। फिर उसे बैलगाड़ी का चक्का, बैलों की गर्दन में बंधी घंटी भी दिखाते है।

(6)पत्नी याद दिलाएगी जैसे समझाएगी बिटिया को 'बाल्टी, सामने कुएँ में लगी लोहे की घिरीं छत्ते की काड़ी-डंडी और घमेला. हँसिया, चाकू और भिलाई बलाडिला टीले, जगह जगह लोहे के

अर्थ- इस पंक्ति में एक मां अपनी बेटी को रोज काम आने वाली चीजों के के नाम सिखाती है। जैसे बाल्टी, कुएँ की लोहे की घिरीं, छत्ते की डंडी, घमेला, मेला, हँसिया, चाकू और लोहे से बने बड़े-बड़े टीले।

(7)इसी तरह घर भर मिलकर धीरे धीरे सोच सोचकर एक साथ ढूँढ़ेंगे कहाँ-कहाँ लोहा है-इस घटना से उस घटना तक कि हर वो आदमी जो मेहनतकश लोहा है

अर्थ- इस पंक्ति में घर के सभी लोग मिलकर धीरे-धीरे सोचते हैं और ढूंढ़ते हैं कि हमारे आसपास कहाँ-कहाँ लोहा है। छोटी से बड़ी घटनाओं तक, वे समझते हैं कि हर मेहनत करने वाला इंसान भी लोहे जैसा मजबूत होता है।

(8)हर वो औरत दबी सतायी बोझ उठाने वाली, लोहा !
जल्दी जल्दी मेरे कंधे से ऊँचा हो लड़का लड़की का हो दूल्हा प्यारा उस घटना तक कि हर वो आदमी जो मेहनतकश लोहा है
हर वो औरत दबी सतायी बोझ उठाने वाली, लोहा ।

अर्थ- इस पंक्ति में कहा गया है कि जो आदमी मेहनत करता है, वह लोहे जैसा मजबूत होता है। उसी तरह, जो औरत दुख सहती है, दबाई जाती है, फिर भी काम करती है और बोझ उठाती है वह भी लोहा है। कवि चाहता है कि उसका बेटा जल्दी बड़ा हो, और उसकी बेटी को अच्छा दूल्हा मिले। समाज में हर मेहनती आदमी और सहनशील औरत असली औरत है ।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. बिटिया से क्या सवाल किया गया है? 'प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता के आधार पर स्पष्ट करें। [2021]
उत्तर- 'प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता में बिटिया से पूछा गया है कि लोहा कहाँ-कहाँ मिलता है। बिटिया बोली चिमटा, करछुल, सिगड़ी, साइकिल, फावड़ा, बैल की घंटी आदि। सब में लोहा है।

2. बिटिया कहाँ-कहाँ लोहा पहचान पाती है? [2023]
उत्तर- बिटिया चिमटा, करछुल, सिगड़ी, साँकल, कील, तार, साइकिल और खेती के औजारों में लोहा पहचानती है।

3. 'प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता में लोहा क्या है? इसकी खोज क्यों की जा रही है? [2025]
उत्तर- इस कविता में लोहा मेहनत और ताकत ताकत का प्रतीक प्रतीक है। मेहनत करने वाले लोग, जैसे किसान, मजदूर और बोझ उठाने वाली औरतें - सभी में लोहा यानी ताकत होती है। लोहा इसलिए खोजा जा रहा है क्योंकि वह शक्ति और मेहनत का चिन्ह है।

4. मेहनतकश आदमी और बोझ उठाने वाली औरत में लोहे की खोज का क्या अर्थ है?
उत्तर- कवि कहना चाहते हैं कि जैसे लोहा मजबूत होता है, वैसे ही मेहनत करने वाला आदमी और बोझ उठाने वाली औरत दोनों मजबूत होते हैं। वे सब कुछ सहकर रहते हैं। इसी मजबूत हिम्मत को कवि "लोहा" कह रहे हैं।

5. पिता 'सिखलाते' हैं और माँ 'समझाती' है। क्यों? "प्यारे नन्हें बेटे को" शीर्षक कविता के आधार पर उत्तर दें।
उत्तर- पिता जिन औज़ारों की बात करते हैं, वे बिटिया के लिए नए हैं, इसलिए उन्हें सिखाना पड़ता है। पर माँ जिन चीज़ों की बाते करती है, वे बिटिया पहले से जानती है, इसलिए माँ समझाती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लोहा क्या है? इसकी खोज क्यों की जा रही है? [2019]
उत्तर- लोहा एक मजबूत और काम आने वाली धातु है। इसका उपयोग घर, खेत और मशीनों में बहुत होता है। लोहा शक्ति और मेहनत का प्रतीक है। कवि इसकी खोज इसलिए कर रहे हैं ताकि लोगों को इसकी ताकत और जरूरत समझ में आ सके।

2. 'प्यारे नन्हें बेटे को' कविता का सारांश लिखिए। [2018]
उत्तर- यह कविता विनोद कुमार शुक्ल द्वारा रचित है। इसमें कवि अपने बेटे और बिटिया से पूछते हैं कि लोहा कहाँ-कहाँ मिलता है। बिटिया बताती है कि लोहा चिमटे, करछुल, सिगड़ी, साँकल, साइकिल, बिजली के तार, सैफ्टी पिन जैसी चीज़ों में मिलता है। फिर उसके माता-पिता उसे याद दिलाते हैं कि फावड़ा, कुदाली, बैलगाड़ी, बाल्टी, हँसिया, छाते की कमानी, चाकू सब लोहा ही ही है। फिर कवि कहते हैं जो लोग मेहनत करते हैं, जैसे किसान, मजदूर, औरतें वे सभी "लोहा" हैं। क्योंकि वे मजबूत हैं, सब कुछ सहते हैं और मन से काम करते रहते हैं।

3. प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता में कवि लोहे की पहचान किस रूप में कराते हैं? यही पहचान उनकी पत्नी किस रूप में कराती है? [2022]
उत्तर- इस कविता में कवि लोहे की पहचान मेहनत से जुड़ी चीज़ों से कराते हैं। जैसे फावड़ा, कुदाली, खुरपी, बैलगाड़ी का पहिया, और बैलों की घंटी आदि सब में लोहा है। कवि की पत्नी घर की चीज़ों में लोहा पहचाना सिखाती हैं, जैसे चिमटा, करछुल, सिगड़ी, साइकिल, सैफ्टी पिन, बाल्टी, छाते की कमानी, हँसिया आदि सब में लोहा है।

4. अर्थ स्पष्ट करें-

- कि हर वो आदमी जो मेहनतकश लोहा है हर वो औरत दबी सताई बोझ उठाने वाली, लोहा।
उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियाँ विनोद कुमार शुक्ल रचित कविता 'प्यारे नन्हें बेटे को' से ली गई है। कवि कहते है कि जो

ATM Classes Since 2017

आदमी मेहनत करता है, जो औरत दुख सहते हुए बोझ उठाती है। वेदोनों लोहा जैसे मजबूत हैं। उनका जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ है, फिर भी वे झुकते नहीं, टूटते नहीं। इसीलिए उन्हें 'लोहा' कहा गया है। नकी वजह से आम जनता की हालत बदतर होती जा रही है।

1. विनोद कुमार शुक्ल का जन्म कब हुआ था?
-जनवरी 1937

2. विनोद कुमार शुक्ल किस धारा के कहानीकार हैं ?
-समकालीन कहानी

3. 'प्यारे नन्हे बेटे को' कविता में लोहा किसका प्रतीक है ?
-कर्म का

4.विनोद कुमार शुक्ला को 1999 में कौन सा पुरस्कार मिला था(BSEB, 2023)
- साहित्य अकादमी पुरस्कार

5. 'पत्नी याद दिलाएगी जैसे समझाएगी बेटी को 'बाल्टी',
-विनोद कुमार शुक्ल

6. 'प्यारे नन्हे बेटे को' के लेखक हैं- (BSEB, 2016)
-विनोद कुमार शुक्ल

7. मेहनतकश और औरत को कवि ने किस रूप में देखा है
-लोहा

8. कौन-सी कृति विनोद कुमार शुक्ल की है?
- दीवार में एक खिडकी रहती थी

9. विनोद कुमार शुक्ल की किस कृति पर मणिकौल ने फिल्म बनाइ-नौकर की कमीज

10. 'प्यारे नन्हे बेटे को' कविता किस संकलन से ली गई है ?-वह आदमी नया गरम कोट पहनकर चला गया विचार की तरह

11. 'नौकर की कमीज' क्या है ?-उपन्यास

12. विनोद कुमार शुक्ल का जन्म कहाँ हुआ था ?
-छत्तीसगढ़

13. कौन-सी कृति विनोद कुमार शुक्ल की नहीं है ?
-असाध्य वीणा

14.पत्नी बिटिया को क्या करती है -समझाती है

15. पिता बिटिया को क्या करता है ?-सिखलाता है

16. विनोद कुमार शुक्ल का निवास स्थान कहाँ है ? (BSEB,2020)-रायपुर, छत्तीसगढ़

17. 'प्यारे नन्हे बेटे को' शीर्षक कविता का नायक कहाँ रहने वाला है ? (BSEB, 2022)-भिलाई, छत्तीसगढ़

18. विनोद कुमार शुक्ल का जन्म स्थान कहाँ है ? (BSEB,2023)-राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़

19. विनोद कुमार शुक्ल का निवास स्थान कहाँ है?[2020A] - रायपुर, छत्तीसगढ़

20. 'प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता का नायक कहाँ का रहनेवाला है [2023A,2022A)-भिलाई, छत्तीसगढ़

21. विनोद कुमार शुक्ल की किस रचना पर मणिक फिल्म बनाई थी? [2024A] -नौकर की कमीज

22. निम्नलिखित में कौन कवि इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय में एसोशिएट प्रोफेसर रहे थे? [2025A] - विनोद कुमार शुक्ल

23. 'प्यारे नन्हें बेटे को' कविता में लोहा किसका प्रतीक है? (2024A, 2020A)-कर्म का

24. "एक तार लोहे का लंबा लकड़ी के दो खंबों पर तना बंधा हुआ बाहर" यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से उद्धृत है? [2022A]-प्यारे नन्हें बेटे को

25. 'पेड़ पर कमरा' का अनुवाद किस भाषा में हुआ है? [2022A)-इतालवी भाषा में

26. विनोद कुमार शुक्ल की कौन शीर्षक रचना का इतालवी भाषा में अनुवाद हो चुका है? (2025A) -पेड़ पर कमरा

Chapter_12
हार – जीत

कवि परिचय_

कवि- अशोक वाजपेयी
जन्म - 16 जनवरी 1941
जन्म-स्थान- दुर्ग छत्तीसगढ़
मूल निवास- सागर, मध्यप्रदेश
माता- निर्मला देवी
पिता- परमानंद वाजपेयी

शिक्षा -

(i) उन्होनें प्रारंभिक शिक्षा गर्वर्नमेंट हायर सेकेंड्री स्कूल सागर से प्राप्त किये।
(ii) उन्होनें सागर विश्वविद्यालय से B.A. किये।
(iii) और उन्होनें सेंट स्टीफेंस कॉलेज दिल्ली से अंग्रेजी साहित्य में M.A. किये।

वृति -

(i) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बने।
(ii) कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किये।
(iii) महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति बने और इस पद से सेवानिवृत (सेवामुक्त) हो गए।

संप्रति (आजकल) - कवि दिल्ली में रहकर स्वतंत्र लेखन कार्य कर रहे हैं।

सम्मान-

(i) साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।
(ii) दयावती मोदी कवि शेखर सम्मान मिला।
(iii) फ्रेंच सरकार का ऑफिसर ऑव् द आर्डर आव् आई एंड लैटर्स 'सम्मान 2005 में मिला।
(iv) पोलिश सरकार का ऑफिसर आव द आर्डर आव् क्रास' सम्मान 2004 में मिला।

 # साहित्यिक पत्रकारिता-

(i) समवेत
(ii) पहचान
(iii) पूर्वग्रह
(iv) बहुजन
(v) कविता एशिया
(vi) समास
-इन सभी पत्रिका का सम्पादन इन्होंने किया।
Note- 'द बुक रिव्यू' समेत अनेक पत्रिकाओं के सलाहकार संपादक रहे हैं।

 # कृतियाँ-

> कविता संग्रह

(i) शहर अब भी संभावना है.
(ii) एक पतंग अनंत में
(iii) आविन्यो
(iv) अभी कुछ और
(v) समय के पास समय
(vi) इबारत से गिरी मात्राएँ
(vii) कुछ रफू कुछ थिगड़े
(viii) उम्मीद का दूसरा नाम
(ix) विवक्षा
(x) दुख चिट्ठीरसा है
(xi) अगर इतने से
(xii) तत्पुरुष
(xiii) कहीं नहीं वहीं
(xiv) बहुरि अकेला
(xv) थोड़ी सी जगह
(xvi) घास में दुबका आकाश

 # आलोचना

(i) फिलहाल
(ii) कुछ पूर्वग्रह
(iii) समय से बाहर
(iv) सीढ़ियाँ शुरू हो गई हैं
(v) कविता का गल्प
(vi) कवि कह गया है

#संपादित कृतियाँ

(i) तीसरा साक्ष्य
(ii) साहित्य विनोद
(iii) कला विनोद
(iv) पुनर्वसु
(v) कविता का जनपद

Note:-

(i) वाजपेयी जी ने मुक्तिबोध, शमशेर और अज्ञेय की चुनी हुई कविताओं का भी संपादन किये हैं।
(ii) वाजपेयी जी ने कुमार गंधर्व, निर्मल वर्मा, जैनेन्द्र कुमार, हजारी प्रसाद द्विवेदी और अक्षेय पर एकाग्र संपादित पुस्तकें लिखें।

ATM Classes Since-2017

(iii) वाजपेयी जी का लगभग तीन दर्जन मौलिक और संपादित कृतियाँ प्रकाशित हुई है।
→ स्तंभ लेखन "कभी कभार"

#महत्वपूर्ण जानकारी_
[1] अशोक वाजपेयी आधुनिक काल के कवि हैं।
[2] अशोक वाजपेयी हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि, आलोचक, विचारक, संपादक और संस्कृतिकर्मी हैं।
[3] कवि और आलोचक के रूप में उनका उदय 20 वीं शताब्दी के 7 वें -8 वें के दशक में हुआ था।
[4] 20 वीं शताब्दी के अंत तक वे भारत के शीर्ष साहित्यकारों में गिने जाने लगे।
[5] वें परंपरा और आधुनिकता के बीच संवाद और समन्वय स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं।
[6] उनके लेखन में जनतांत्रिक सोच, उदार दृष्टिकोण और समावेशी विचारधारा झलकती है।
कविता संकल [7] प्रस्तुत कविता अशोक वाजपेयी के कविता संकलन कहीं नहीं वहीं " से ली गई है।
[8] यह एक गद्य कविता है।
[9] " फ्राँसीसी कवि सेंट जॉन पर्स की ऐसी गद्य कविताएँ "टी० एस० एलियट के द्वारा द्वारा लंबी भूमिका के साथ पेश की गई थी।
[10] यह कविता शासक वर्ग, वर्ग, राजनीति, युद्ध, इतिहास और आम आदमी को लेकर आधुनिक प्रसंगों में अनेक प्रश्न उठाती है।
[11] इस कविता की तुलना रघुवीर सहाय की अधिनायक कविता से की गई है।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. 'हार-जीत' कविता में मशक वाले की क्या भूमिका है? [2018]
उत्तर- बूढ़ा मशकवाला सड़कों पर पानी छिड़कने का काम करता है। वह सच बोल सकता है, पर उसकी बातों पर कोई भरोसा नहीं करता। उसे सच बताने का अधिकार नहीं है।

2. कवि अशोक वाजपेयी का परिचय दें। [2019]
उत्तर- अशोक वाजपेयी आधुनिक हिंदी के प्रसिद्ध कवि, आलोचक, विचारक और कला प्रेमी हैं। उन्होंने कई कविता संग्रह लिखे हैं, जैसे 'शहर अब भी संभावना है', 'एक पतंग अनन्त में', 'हार-जीत' आदि।

3. बूढ़ा मशकवाला किस जिम्मेवारी से मुक्त है? सोचिए अगर जिम्मेवारी मिलती तो क्या होता? [2020]
उत्तर- बूढ़ा मशकवाला सच बताने की जिम्मेदारी से मुक्त है। अगर उसे यह जिम्मेदारी मिलती, तो वह जनता को बता देता कि देश युद्ध में हार गया है, जिससे लोग नाराज़ हो सकते थे।

4. उत्सव कौन और क्यों मना रहे हैं? [2020]
उत्तर- देश के नागरिक उत्सव मना रहे हैं। वे मानते हैं कि राजा और सेना युद्ध जीतकर लौटे हैं, इसलिए वे उत्सव मना रहे हैं, भले ही उन्हें सच्चाई पता नहीं है।

5. नागरिक क्यों व्यस्त हैं? क्या उनकी व्यस्तता जायज है?[2021, 2023]
उत्तर- नागरिक विजय उत्सव की तैयारियों में व्यस्त हैं। वे नहीं जानते कि युद्ध क्यों और किससे हुआ था। उनकी व्यस्तता सही नहीं है, क्योंकि वे बिना सच्चाई जाने राजा की बात पर भरोसा कर रहे हैं।

6. 'हार-जीत' कविता का केंद्रीय भाव क्या है? [2018]
उत्तर- हार-जीत कविता अशोक वाजपेयी द्वारा रचित है। इस कविता का केन्द्रीय भाव यह है कि जनता को सच जानने का हक है। युद्ध में हार हो या जीत सच बताना चाहिए।

7. 'उत्सव' का क्या तात्पर्य है? [2015]
उत्तर- उत्सव शब्द का अर्थ है- खुशी का माहौल बनाकर आनंद उठाना। कविता में राजा विजय का उत्सव मना रहा है, पर सच क्या है, जनता को नहीं बता रहा है।

8. सड़कों को क्यों सींचा जा रहा है? [2015, 2023]
उत्तर- विजय जुलूस के लिए सड़कों को साफ किया जा रहा है ताकि धूल न उड़े, खासकर राजा पर। यह सब दिखावे के लिए हो रहा है।

9. 'किसकी विजय हुई सेना की, कि नागरिकों की?' कवि ने
सोचते हैं?
उत्तर- कवि यह प्रश्न इसलिए पूछते हैं क्योंकि लड़ाई लड़ती है सेना, लेकिन जीत का श्रेय शासक लेता है। जनता को लगता है कि वह जीत गई, लेकिन असली फायदा सत्तापक्ष को होता है। यह विजय दिखने में तो देश की है, पर असल में शासक की जीत है।

10. 'खेत रहने वालों की सूची अप्रकाशित है।' इस पंक्ति के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं?
उत्तर- इस पंक्ति के माध्यम से कवि का कहना है कि मरे हुए सैनिकों और नागरिकों की लिस्ट नहीं बताई गई। सरकार नहीं चाहती कि लोग जानें कि कितनी जानें गई, ताकि कोई प्रश्न न उठे।

11. बूढ़ा मशकवाला क्या कहता है और क्यों कहता है?
उत्तर- बूढ़ा मशकवाला कहता है "हम एक बार फिर हार गए हैं, जीत नहीं हार लौट रही है।" वह ऐसा इसलिए कहता है क्योंकि उसे सच्च जानता है। लेकिन उसकी बात को कोई नहीं मानता है।

#दीर्घ उत्तरीय प्रश्न_

1. गद्य कविता क्या है? इसकी क्या विशेषताएँ हैं? 'हार-जीत कविता के आधार पर समझाइए। [2021]
गद्य कविता एक ऐसी कविता है जो छंद और तुकांत बिना, सामान्य बोलचाल की भाषा में लिखी जाती है, लेकिन इसमें भाव की बहुत गहराई होती है।
> गद्य कविता की निम्न विशेषताएं हैं-
1. यह बातचीत जैसी भाषा में होती है।
2. इसमें गहरें भाव होती होती हैं।
3. इसकी भाषा बहुत आसान होती है।
4. यह आम आदमी, राजनीति, युद्ध और समाज से जुड़े सवाल उठाती है।
5. यह दिखावे को नहीं सच को बताती है।

2. हार-जीत' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखें। [2015,2016,2023]
अथवा
हार-जीत' शीर्षक कविता का सारांश लिखें। [2015,2017]
उत्तर- अशोक वाजपेयी की 'हार-जीत' एक गद्य कविता है जो युद्ध, सत्ता और जनता के बीच के सच और भ्रम को दिखाती है। कविता में जनता विजय उत्सव मना रही है, लेकिन उन्हें नहीं पता कि युद्ध किससे हुआ, क्यों हुआ, या क्या सच में जीत हुई। एक बूढ़ा मशकवाला (पानी वाला) कहता है "हम फिर हार गए हैं, लेकिन कोई उसकी बात पर ध्यान नहीं देता। मशकवाले को सच कहने का हक नहीं, और जिन्हें हक है, वे झूठा उत्सव मना रहे हैं। कविता बताती है कि जनता को सच से दूर रखा जाता है और उन्हें झूठी जीत का एहसास दिलाया जाता है।

#सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्नः

1. नागरिकों को नहीं पता कि कितने सैनिक गए थे और कितने विजयी वापस आ रहे हैं। खेत रहने वालों की सूची अप्रकाशित है।" - सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [2013]
उत्तर- यह पंक्ति अशोक वाजपेयी की गद्य कविता 'हार-जीत' से ली गई है। इस पंक्ति के माध्यम से कवि का कहना हैं कि जनता को युद्ध की असली सच्चाई नहीं बताई जाती है कि कितने सैनिक युद्ध में भेजे गए थे और कितने मारे गए। जो सैनिक युद्ध में मारे गए उनकी कोई सूची नहीं बनाई जाती है। शासक सिर्फ विजय उत्सव मना रहा है, लेकिन जनता को केवल झूठा भरोसा दे रहा है।

वस्तुनिष्ट प्रश्नः-

1. नागरिकों को व्यस्त होने का कारण क्या है?
-विजयी रथ, सेना और शासक का स्वागत करना है

ATM Classes Since 2017

Q2. 'अप्रकाशित शब्द में कौन सा प्रत्यय है ?
-इत
Q3. निम्नलिखित में से शत्रु का पर्यायवाची शब्द कौन सा नहीं है?
-रिपु
Q4. 'किसी के पास पूछने का अवकाश नहीं है।' मे कोन सा शब्द सर्वनाम है?
-किसी
Q5. 'हार-जीत' नामक कविता किस कविता संग्रह में संकलित है?
-कहीं नहीं वहीं
06. अशोक वाजपेयी ने किस विश्वविद्यालय से बी०ए० किए ?
- सागर विश्वविद्यालय
Q7. रोशनी शब्द है.
-तद्रव
Q8. 'खेत रहनेवालो' का अर्थ क्या है?
- युद्ध में मारे गए लोग

Q9. अशोक वाजपेयी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
- 16 जनवरी 1941, दुर्ग, छत्तीसगढ
Q10. साहित्य अकादमी पुरस्कार उनको किस रचना के लिए दिया गया था ?
-कहीं नहीं वहीं
Q11. अशोक वाजपेयी ने एम०ए० कहाँ से किया ?
- सेंट स्टीफेंस कालेज, दिल्ली
Q12. अशोक वाजपेयी को साहित्य अकादमी पुरस्कार कब दिया गया ?
-1994 मे
Q13. अशोक वाजपेयी निम्नलिखित मे से किस विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके ?
-महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी
Q14. अशोक वाजपेयी जी के माता का नाम था -
- निर्मला देवी
Q15. अशोक वाजपेयी ने सेंट स्टीफेंस कालेज से किस भाषा से एम०ए० किए?
-अंग्रेजी
Q16. अशोक वाजपेयी का मूल निवास कहाँ था ?
-सागर, मध्यप्रदेश
Q17. 'हार-जीत' गद्यकविता की मूल संवेदना निम्नलिखित में से क्या है?
- वास्तविकताओ को बेपर्दा करना
Q18. अशोक वाजपेयी की रचना का गल्प निम्नलिखित में से किस तरह का है?
-आलोचना
Q19. गद्य कविता का लेखन कितने वर्ष पूर्व शुरू किया गया ?
-30-35 वर्ष पूर्व
Q20. अशोक वाजपेयी की लगभग कितनी मौलिक तथा संपादित रचना प्रकाशित हो चुकी है ?
-तीन दर्जन
Q21. सडक किस उद्देशय से सींचे जा रहे है?
-विजयी शासक और सेना पर धूल न पड़े
Q22. किनकी सूची अप्रकाशित है?
- शहीदों की
Q23. किसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दे रहा था ?
- बूढा मशकवाले की
Q24. छंदमुक्त कविता को ..... कहते है।
- गद्यकविता

Chapter_13
गाँव का घर

#कवि परिचय_
नाम - ज्ञानेंद्रपति
जन्म 1 जनवरी 1950
जन्म स्थान- पथरगामा, गोड्डा, झारखंड
निवास - वाराणीसी उत्तरप्रदेश
माता- सरला देवी
पिता- दैवेन्द्र प्रसाद चौबे

 # शिक्षा-
(i) प्रारंभिक शिक्षा गाँव के स्कूल में पूरी हुई।
(ii) B.A. (अंग्रेजी) पटना विश्वविद्यालय से कियें।
(iii) पहली बार M.A. (अंग्रेजी) पटना विश्वविद्यालय से कियें।
(iv) दूसरी बार M.A. (हिन्दी) बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर से कियें।

 # वृति-
(i) बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के द्वारा चयनित होकर कारागार (जेल) अधीक्षक के रूप में कैदियों के लिए अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए हैं।
(ii) अन्त में नौकरी छोड़कर स्वतंत्र कविता लेखन का कार्य किये हैं।

#सम्मान-
(i) पहल सम्मान 2006 में मिला।
(ii) 'संशयात्मा' कविता लिए साहित्य अकादमी 2006 पुरस्कार में मिला।

 # कृतियाँ-
कविता संग्रह_
(i) आँख हाथ बनते हुए (1970)
(ii) शब्द लिखने के लिए ही यह कागज बना है (1980)
(iii) गंगातट (2000)
(iv) संशयात्मा (2004)
(v) भिनसार (2006)
(vi) कवि ने कहा (2007)
*एकचक्रानगरी (काव्य नाटक)
*पढ़ते-गढ़ते-2005 (कथेतर गद्य)

#महत्वपूर्ण जानकारी_

[1] ज्ञानेंद्रपति एक प्रतिभाशाली युवा कवि के रूप में 20 वीं शताब्दी के आठवें दशक में सामने आए।
[2] 1980 में आए अपने दूसरे कविता संग्रह से उन्होंने विचारशील पाठकों और विवेकवान आलोचकों का ध्यान अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से अपनी ओर खींचा।
[3] गंगातट' कविता संग्रह से ज्ञानेंद्रपति ने अपनी रचनात्मक मजबूती और धैर्य को साबित किया। किया।
[4] यहाँ प्रस्तुत कविता उनके नवीनतम कविता संग्रह 'संशयात्मा' से ली गई
[5] जानेंद्रपति आधुनिक काल के कवि है।
[6] ज्ञानेंद्रपति समकालीन हिंदी कविता के एक महत्वपूर्ण कवि हैं।
[7] ज्ञानेंद्रपति को 'निराला परम्परा का कवि' भी कहा जाता है
[8] ज्ञानेंद्रपति की तुलना अक्सर सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' से की जाती है।

#लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. 'गाँव का घर' कविता में कवि किस घर की बात कर रहे हैं? [2015]
उत्तर- इस कविता में कवि ज्ञानेन्द्रपति अपने पुराने गाँव के घर की बात कर रहे हैं। अब वह शहर में रहते हैं और उन्हें शहर की जिंदगी बनावटी लगती है। पर गाँव भी अब पहले जैसा नहीं रहा वह भी असली पहचान खो चुका है।

2. 'गाँव का घर' कविता में पंच परमेश्वर के खो जाने को लेकर कवि क्यों चिंतित है? [2013, 2020, 2023]
उत्तर- पहले गाँव के पंच निष्पक्ष और ईमानदार होते थे, इसलिए उन्हें 'परमेश्वर' माना जाता था। लेकिन अब पंचायत में भ्रष्टाचार और पक्षपात आ गया है। लोग स्वार्थी हो गए हैं, और न्याय की जगह अन्याय बढ़ गया है इसी के कारण कवि चिंतित है।

3. 'गाँव का घर' शीर्षक कविता में किस शोक-गीत की चर्चा है? [2025]
उत्तर- कवि ज्ञानेंद्रपति इस कविता में आज के समय के शोक-गीत की चर्चा कर रहे है। क्योंकि अब होरी, चैता, बिरहा, आल्हा गीत नहीं बजते है। यह जन्मभूमि लोकगीतों की है, लेकिन यहाँ ऑर्केस्ट्रा बज रही है जो भावहीन और शोरभरा है। जो दिल को नहीं छूतीं है।

4. कवि की स्मृति में 'घर का चौखट' इतना जीवित क्यों है?

ATM Classes Since-2017

उत्तर- कवि का बचपन उस घर में बीता है, इसलिए उसकी यादें उससे जुड़ी हैं। वह चौखट कवि के लिए केवल दरवाज़ा नहीं, बल्कि प्यार, संस्कार और परंपराओं की निशानी है। जो शहर की चकाचौंध भी इन यादों को मिटा नहीं सकी।

5. 'आवाज की रोशनी' या 'रोशनी की आवाज' का क्या अर्थ है?
उत्तर- इसका अर्थ है सच्चाई की आवाज़ और अच्छाई की रोशनी । ऐसी आवाज जो समाज को बदल दे और अंधकार को मिटा दे। और ऐसी रोशनी जो अन्याय के खिलाफ बोल सके।

6. सर्कस का प्रकाश-बुलौआ किन कारणों से मरा होगा?
उत्तर- पहले सर्कस का प्रकाश लोगों को बुलाता था, लेकिन अब टीवी, मोबाइल, और दूसरे मनोरंजन के साधनों ने उसकी जगह ले ली है। इसलिए वह रोशनी अब किसी को आकर्षित नहीं करती -वह प्रभावहीन और मृत हो गई है।

7. 'कि जैसे गिर गया हो गजदंती को गंवा कर कोई हाथी।' मर्म स्पष्ट करें।
उत्तर- हाथी के दाँत उसका शोभा होता हैं। उनके बिना हाथी अधूरा लगता है। इसी तरह गाँव अब अपनी सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान खो चुका है। वहाँ अब न भावनाएँ हैं, न अपनापन और ना ही प्यार है।

8. स्मृतियों का हमारे लिए क्या महत्व होता है?
उत्तर- स्मृतियों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है- ये हमें सदा अपने अतीत और जड़ों से जोड़कर रखती है ये हमारे जीवन के भावनात्मक पल होती हैं, जो समय बीतने के बाद बहुत याद आती हैं। हैं। बिल्कुल कवि की तरह।

9. चौखट, भीत, सर्कस, घर, गाँव और बचपन के लिए कवि की चिंता को आप कितना सही मानते हैं?
उत्तर- हम कवि की चिंता को बिलकुल सही मानते हैं। पहले गाँव में अपनापन, परंपरा और संस्कृति थी, पर अब सब बदल गया है। अब वहाँ सिर्फ दिखावा, टीवी और शोर-शराबा है। ये बदलाव सबके लिए चिंता की बात है।

#दीर्घ उत्तरीय प्रश्न_

1. ज्ञानेन्द्रपति ने अपने गाँव को किस-किस की जन्मभूमि बतलाया है? [2019]
उत्तर- ज्ञानेन्द्रपति ने अपने गाँव को कई चीज़ों की जन्मभूमि बताया है। गाँव को उन्होंने ईमानदारी, सच्चाई और परंपराओं का प्रतीक कहा है। यह पंचायती राज, होरी, चैती, बिरहा, आल्हा जैसे लोकगीतों और सांस्कृतिक मूल्यों की जन्मभूमि है। लेकिन अब यह सब बदल गया है गाँवों में अब शहरों जैसी चकाचौंध और दिखावा आ गया है।

2. गाँव के घर की रीढ़ क्यों झुरझुराती है? इसका कारण है? [2021]
उत्तर- गाँव का घर" शीर्षक कविता ज्ञानेन्द्रपति जी के द्वारा रचित है। कवि कहते है कि गाँव का पुराना सांस्कृतिक जीवन अब खत्म हो गया है। वहाँ अब न लोकगीत हैं, न परंपराएँ, न ही पहले जैसा प्यार और अपनापन। उसकी जगह अब झगड़े, अदालतें और दिखावा आ गया है। इसी बदलाव के कारण गाँव की रीढ़ (मूल पहचान) हिल गई है और वह झुरझुरा रही है।

3. 'गाँव का घर' शीर्षक कविता का 2013, सारांश लिखे।। 2015, 2017]
अथवा, '
गाँव का घर' कविता का भाव लिखें। [2019] [20 कविता का भाव
अथवा,
'गाँव का घर में घर में ज्ञानेन्द्रपति ने क्या कहना चाहा है? स्पष्ट करें।
उत्तर- "गाँव का घर" शीर्षक कविता ज्ञानेन्द्रपति जी के द्वारा रचित है। यह कविता गाँव के बदलते स्वरूप को दिखाती है। कवि अपने बचपन और गाँव के घर को याद करते है जहाँ प्यार, परंपरा और सम्मान था। पुराने घर के जिस कमरा में बहु रहती वहाँ बुजुर्ग खाँसकर आते थे। गाँव में ईमानदारी और न्याय का माहौल था। अब सब कुछ बदल गया। पंच परमेश्वर की जगह भ्रष्ट पंच आ गए हैं। गाँव में अब लोकगीत नहीं गूंजते, लालटेन की जगह टीवी और बिजली आ गई है। गाँवों में अब सच्चाई, अपनापन और संस्कृति नहीं बची है। वहाँ भी शहर जैसा दिखावा, झगड़े और गंदगी फैल गई है।

#सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्न

1. पंचायती राज में जैसे खो गए पंच परमेश्वर बिजली बत्ती आ गई कब की।"
उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति ज्ञानेन्द्रपति द्वारा रचित 'गाँव का घर' शीर्षक कविता से ली गई है। कवि कहते है कि पहले गाँव में पंचों को "परमेश्वर" कहा जाता था क्योंकि वे ईमानदारी से न्याय करते थे। लेकिन अब पंचों की ईमानदारी खो गई है। जैसे गाँव में बिजली तो आ गई है, पर सही से नहीं आती वैसे ही पंच हैं, पर अब उनमें ईश्वर जैसा गुण नहीं रहा।

#वस्तुनिष्ट प्रश्नः-

1. 'गाँव का घर' कविता के रचयिता हैं- (BSEB, 2016)
-ज्ञानेन्द्रपति
2. 'गाँव का घर' शीर्षक कविता किस कविता संग्रह से ली गई है?
-संशयात्मा
3. ज्ञानेन्द्रपति को सन् 2006 में किसके लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?
-संशयात्मा
4. 'कि जिन बुलौओं से गाँव के घर की रीढ़ झुरझुराती है। किस कवि की रचना है ?
-ज्ञानेन्द्रपति
5. 'गाँव का वह घर अपना अपना गाँव ही खो चुका है पंचायती राज में जैसे खो गये पंच परमेश्वर किस कवि की रचना है ?
-ज्ञानेन्द्रपति
6. किस कवि ने इन शब्दों का प्रयोग किया है ?
उठौना दूध लाने वाले बूढ़े ग्वाल दादा के
-ज्ञानेन्द्रपति
7. ज्ञानेन्द्रपति की कविता है-
-गाँव का घर
8. 'अदालतों और अस्पतालों के फैले फैले भी रुंधते-गंधा अमित्र परिसर' किस कविता की पंक्तियाँ हैं ?
-गाँव का घर
9. 'होरी-चैती बिरहा-आल्हा गूँगे' किस कविता की पंक्तियाँ हैं?
-गाँव का घर
10. जबकि चकाचौंध रोशनी में मदमस्त आर्केस्ट्रा बज रहा है कहीं, बहुत दूर'-किस कविता की पंक्ति है ?
-गाँव का घर
11. 'दस कोस दूर शहर से आने वाला सर्कस का प्रकाश-बुलौआ'-किस कविता की पंक्ति है?
-गाँव का घर
12. ज्ञानेन्द्रपति का जन्म कब हुआ था ?
- 1 जनवरी, 1950
13. ज्ञानेन्द्रपति का जन्म कहाँ हुआ था ?
-झारखण्ड
14. दूध डूबे अँगूठे के छापे किनके हैं ?
-बूढ़े ग्वाल दादा के
15. ज्ञानेन्द्रपति का काव्य नाटक है-
-एकचक्रानगरी
16. टी.वी. किसके दहेज में आया था ?
-बिटौआ
17. पंचायती राज में क्या खो गया
-पंच परमेश्वर
18. कवि के बचपन में भाल पर क्या लगा था?
-दुग्ध तिलक
19. ज्ञानेंद्रपति ने पहली बार M.A किस विषय से उत्तीर्ण किया था?
- अंग्रेजी
20. ज्ञानेन्द्रपति किस प्रशासनिक पद पर थे ? (BSEB, 2021)
+ काराधिकारी
21. कवि का निवास किस नगर में था ?
-वाराणसी
22. इनमें से कौन-का ग्रंथ ज्ञानेन्द्रपति का है?
-आँख हाथ बनते हुए

ATM Classes Since-2017